सफलता की कहानी – श्री देदाराम पटेल

एक सफल व्यवसाय के लिय बहुपोषक तत्व अहार बट्टिका स्वरोजगार का अच्छा माध्यम है जिसमें कम लागत व समय में अधिक लाभ कमा सकते हैं। काजरी संस्थान की इस तकनीक में विश्वास दिखाते हुये गाजनगढ़ गाँव के कृषक श्री देदा राम पटेल ने 9,800 रूपये के शुरूआती निवेश से पोषक बट्टिका का वाणिज्यिक उत्पादन 2009 में शुरू किया। श्री देदा राम पटेल ने इस व्यवसाय को जारी रखा और आस–पास के कृषक भाइयों को भी प्रशिक्षित किया और इसकी

महत्ता इतनी बन गयी कि इस किसान कों राज्य सरकार ने 2014 में उत्कृष्ट प्रगतिशील किसान का पुरस्कार प्रदान किया। आज श्री देदा राम पटेल पाली जिले का एक प्रगतिशील कृषक माना जाता है जो लगातार कृषकों को स्वरोजगार के लिये ग्रामीण स्तर पर ही प्रशिक्षित करता रहता है। वर्तमान में श्री देदा राम पटेल जिले में लगभग 33 युवा कृषकों को प्रशिक्षित कर चुके हैं जो अपना व्यवसाय गांव व ढाणियों में चला रहे हैं।

यह बट्टिका मारवाड़ क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध हो गयी है और इसकी काफी मांग है। वर्तमान में श्री पटेल ने इस उद्यम को राज्य सरकार से पंजीकृत करवा लिया है और खुद व परिवार के अन्य सदस्यों के लिये रोजगार सृजन करते हुए सफलतापूर्वक लगभग 25,000 रूपये मासिक आय प्राप्त कर रहे हैं। श्री देदा राम वैज्ञानिक विधि से उन्नत किस्मों का प्रयोग करते हुए खेती करते हैं और हर फसल की बम्पर पैदावार लेते हैं। इनकी सफलता को देखने के लिये उच्च अधिकारी व प्रगतिशील किसान दूसरे राज्यों से भी गांव आते हैं। केविके प्रशिक्षण कार्यक्रमों में श्री देदा राम जी

नियमित रूप से पशु आहार बट्टिका एवं दाना बनाने का प्रायोगिक प्रशिक्षण देते हैं तथा उपमहानिदेशक, शिक्षा, भाकृअनुप, नई दिल्ली, निदेशक, सी.एस.डब्ल्यू.आर.आई. अविकानगर, निदेशक, काजरी, जोधपुर, उपमहानिदेशक, एन.आर.एम., कुलपति, पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय, बीकानेर आदि श्री पटेल के गांव में आकर उनको सफलता की बधाईयाँ दे चुके हैं।